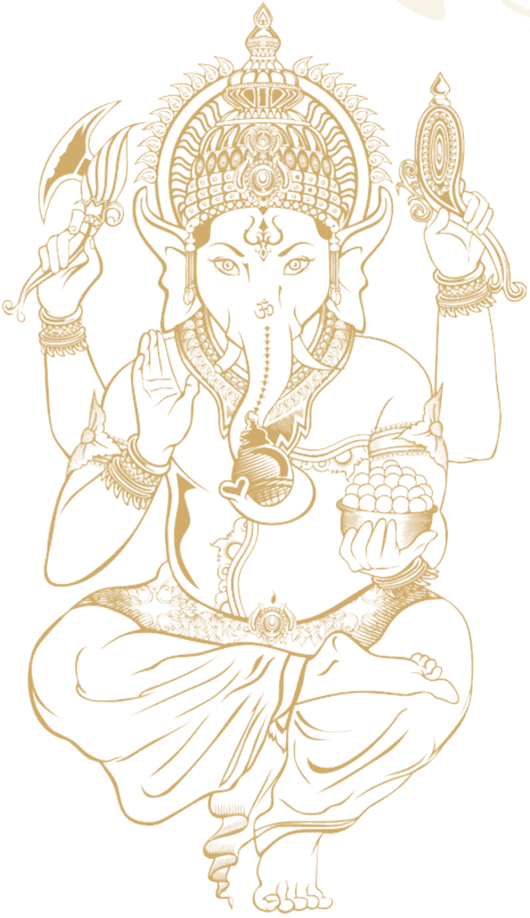

Vivek

03 Jul 2022

07:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121569423

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/07/2022**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:00:00 घंटे**
इष्ट	33:50:59 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:13 घंटे
साम्पातिक काल	13:25:06 घंटे
सूर्योदय	05:27:36 घंटे
सूर्यास्त	19:22:51 घंटे
दिनमान	13:55:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:27:00 मिथुन
लग्न के अंश	12:54:00 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्धि
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:54:00	343:40:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मिथु	17:27:00	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	सम राशि
चंद्र			सिंह	06:19:51	12:11:45	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			मेष	04:38:43	00:42:13	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
बुध			मिथु	02:33:39	01:52:51	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	स्वराशि
गुरु			मीन	13:31:28	00:04:45	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			वृष	18:24:39	01:11:49	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	00:26:13	00:02:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	26:58:09	00:06:46	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:58:09	00:06:46	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			मेष	23:40:44	00:02:21	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
नेप	व		मीन	01:16:02	00:00:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		मक	03:34:34	00:01:22	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			कन्या	28:49:32	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:05

लग्न-चलित

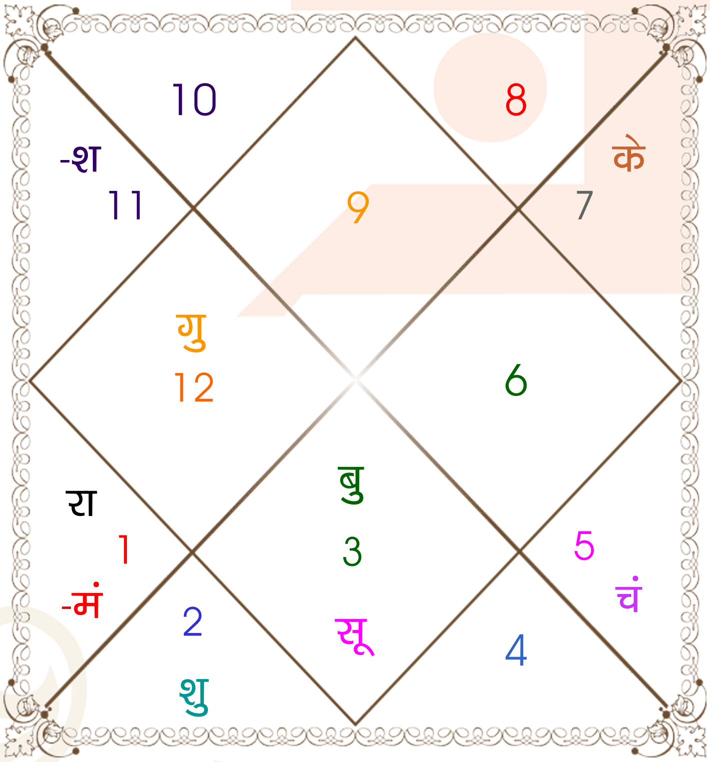

चन्द्र कुंडली

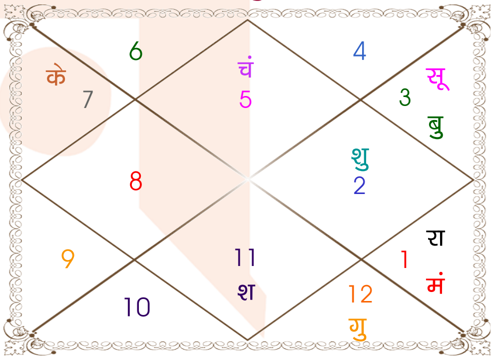

नवमांश कुंडली

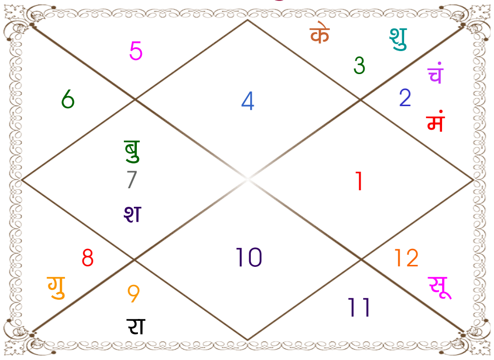

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 8 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/07/2022		07/03/2026		07/03/2046		07/03/2052		07/03/2062	
07/03/2026		07/03/2046		07/03/2052		07/03/2062		07/03/2069	
	00/00/0000	शुक्र	07/07/2029	सूर्य	25/06/2046	चंद्र	05/01/2053	मंगल	03/08/2062
	00/00/0000	सूर्य	07/07/2030	चंद्र	24/12/2046	मंगल	06/08/2053	राहु	22/08/2063
	00/00/0000	चंद्र	07/03/2032	मंगल	01/05/2047	राहु	05/02/2055	गुरु	28/07/2064
	00/00/0000	मंगल	07/05/2033	राहु	25/03/2048	गुरु	06/06/2056	शनि	05/09/2065
	03/07/2022	राहु	06/05/2036	गुरु	11/01/2049	शनि	05/01/2058	बुध	03/09/2066
राहु	23/02/2023	गुरु	05/01/2039	शनि	24/12/2049	बुध	07/06/2059	केतु	30/01/2067
गुरु	30/01/2024	शनि	07/03/2042	बुध	30/10/2050	केतु	06/01/2060	शुक्र	31/03/2068
शनि	10/03/2025	बुध	05/01/2045	केतु	07/03/2051	शुक्र	05/09/2061	सूर्य	06/08/2068
बुध	07/03/2026	केतु	07/03/2046	शुक्र	07/03/2052	सूर्य	07/03/2062	चंद्र	07/03/2069

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/03/2069		07/03/2087		08/03/2103		08/03/2122		08/03/2139	
07/03/2087		08/03/2103		08/03/2122		08/03/2139		00/00/0000	
राहु	18/11/2071	गुरु	25/04/2089	शनि	11/03/2106	बुध	04/08/2124	केतु	04/08/2139
गुरु	13/04/2074	शनि	06/11/2091	बुध	18/11/2108	केतु	01/08/2125	शुक्र	04/10/2140
शनि	17/02/2077	बुध	11/02/2094	केतु	28/12/2109	शुक्र	01/06/2128	सूर्य	08/02/2141
बुध	06/09/2079	केतु	18/01/2095	शुक्र	27/02/2113	सूर्य	07/04/2129	चंद्र	10/09/2141
केतु	23/09/2080	शुक्र	18/09/2097	सूर्य	09/02/2114	चंद्र	07/09/2130	मंगल	06/02/2142
शुक्र	24/09/2083	सूर्य	07/07/2098	चंद्र	10/09/2115	मंगल	04/09/2131	राहु	04/07/2142
सूर्य	18/08/2084	चंद्र	06/11/2099	मंगल	19/10/2116	राहु	23/03/2134		00/00/0000
चंद्र	17/02/2086	मंगल	13/10/2100	राहु	26/08/2119	गुरु	28/06/2136		00/00/0000
मंगल	07/03/2087	राहु	08/03/2103	गुरु	08/03/2122	शनि	08/03/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 7 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किज्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।